स्वर्ण दिल्ली
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 12, अंक 222 नई दिल्ली
सोमवार, 16 सितंबर 2024, पृष्ठः 8 मूल्यः 5 रुपये

दिल्ली की जनता अपने हाथ में लिखेगी मेरा केजरीवाल ईमानदार है : राघव चड्ढा

नई दिल्ली। शराब घोटाले में जमानत मिलने के दो दिन बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। केजरीवाल के इस फैसले पर आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने अग्निपरीक्षा देने का फैसला किया है। 2025 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता उस चुनाव के माध्यम से अपने मुख्यमंत्री को ईमानदार घोषित करेगी।

मीडिया से रूबरू आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा, "मुख्यमंत्री जी अग्निपरीक्षा से गुजरने के लिए तैयार हैं। अब यह दिल्ली की जनता के हाथ में है कि वह ईमानदार हैं या नहीं। अरविंद केजरीवाल ने 2020 में काम के नाम पर वोट मांगे थे और कहा था कि अगर मैंने काम किया है तो मुझे वोट दें, अगर मैंने काम नहीं किया है तो मुझे वोट न दें। आज उन पर आरोप लगाए गए, मुख्यमंत्री ने अग्निपरीक्षा देने का फैसला किया है।"

उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली की जनता 'आप' को वोट देकर मुख्यमंत्री को ईमानदार घोषित करेगी और आने वाले 2025 के विधानसभा चुनाव में दिल्ली की जनता अपने मुख्यमंत्री को ईमानदार घोषित करेगी। जैसे

फिल्म दीवार में अमिताभ बच्चन के हाथ में लिखा था ठीक उसके उलट दिल्ली की जनता अपने हाथ में लिखेगी। मेरा केजरीवाल ईमानदार है।"

वहीं, दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा, "अरविंद केजरीवाल ने ईमानदारी और सम्मान हासिल किया है। उन पर जो इल्जाम लगे हैं इसके बाद वह जनता की अदालत में जाएंगे और फैसला जनता के हाथ में है।"

सीएम केजरीवाल ने आप कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मंच से कहा कि मैं 2 दिन बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं और मैं तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना देती है। मैं हर घर और गली में जाऊंगा और जब तक जनता का फैसला नहीं मिल जाता, केजरीवाल ईमानदार है, तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा।

युवा वकील निर्धनों को न्याय दिलाने का संकल्प लें : नागरत्ना

नई दिल्ली। एक वकील को संविधान की प्रस्तावना के अनुरुप कार्य करना चाहिए और युवा वकीलों को निर्धनों को न्याय दिलाने का संकल्प लेना चाहिए। इस आशय की बात सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना ने एनएलयू के दीक्षांत समारोह में विचार व्यक्त करते हुए कही। दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एनएलयू) के 11वें दीक्षांत समारोह में बोल रहीं शीर्ष अदालत की न्यायाधीश नागरत्ना ने कहा, कि प्रिय स्नातक के विद्यार्थियो, रचनात्मकता के साथ आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मुवक्किलों को दी जाने वाली आपकी सलाह कानून आधारित ही न हो, बल्कि ग्राहक और अदालत के प्रति आपके कर्तव्य के बीच संतुलन भी होना चाहिए। इससे पहले उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में कानूनी साक्षरता के प्रसार की आड़ में कुछ वकीलों ने तो सोशल मीडिया पर एक निराशाजनक प्रक्रिया अपना रखी है। यह प्रक्रिया भय की भावना पैदा करके ग्राहकों को अपनी ओर खींचने वाली है। खासतौर पर ऐसा वैवाहिक मामलों में और जिसे बचाव की रणनीति कहा जाता है, वाले मामलों देखने को मिलती है। यह कानूनी प्रक्रिया को बाधित करने या उस पर हमला करने जैसा है।

सम्पादक की कलम से

संविधान के 'दोस्त सीता' को सलाम

केंद्र सरकार ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल के बुजुर्गों को 5 लाख रुपये का बीमा देने का निर्णय लिया है। सरकार द्वारा यह कहा गया है, कि किसी भी अस्पताल में 5 लाख रूपये तक का इलाज, कोई भी बुजुर्ग, बिना किसी भेदभाव के, अमीर हो या गरीब सभी को मिलेगा। सेवानिवृत्ति सभी वर्ग के कर्मचारियों को भी इसका लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार हुजुर्गों के लिए अलग से आयुष्मान कार्ड तैयार कर रही है। केंद्र सरकार ने केंद्रीय सांख्यिकी विभाग और निर्वाचन आयोग से 70 साल के बुजुर्गों का डेटा मांगा है। केंद्र सरकार ने २०२१ की स्थिति में देश के सभी बुजुर्गों का डेटा लेकर उन सभी के आयुष्मान कार्ड बनाने की प्रक्रिया शुरू कर रही है। २०२४ में जिन लोगों की आयु 70 वर्ष हो चुकी होगी उनके अलग से आयुष्मान कार्ड बनाए जाएंगे। सरकार का कहना है, पति हो या पत्नी, दोनों के ही अलग-अलग आयुष्मान कार्ड बनेंगे। दोनों को ही पांच-पांच लाख रुपए के इलाज की सुविधा होगी। बुजुर्ग को हर अवस्था में बीमारी का इलाज मिल सके। अस्पतालों में जिस तरह की लूट खसोट और धोखाधड़ी का माहौल है। इलाज के रेट बड़ी तेजी के साथ, पिछले कई वर्षों में कई गुना बढ़ें हैं। आयुष्मान कार्ड या बीमा कार्ड होने पर अधिकतम से अधिकतम खर्च अस्पतालों द्वारा वसूला जाता है। जिसके कारण बुजुर्गों को कई बार परेशानियों का सामना करना पड़ता है। केंद्र सरकार को इस दिशा में भी ध्यान देने की जरूरत है। इलाज अच्छा हो, इलाज के दौरान किसी तरह की बेईमानी ना हो। पिछले कुछ वर्षों में चिकित्सा के क्षेत्र में डॉक्टरों और अस्पतालों द्वारा जिस तरह की लूट की जा रही है। इसको लेकर बुजुर्गों में हर समय चिंता बनी रहती है। चिकित्सा में जिस तरह की सावधानी जरूरी होती है, विशेषज्ञों द्वारा सही तरीके से मरीजों का उपचार हो। इस दिशा मे डॉक्टर और अस्पतालों का जिम्मेदार होना जरूरी है। बहरहाल जिस तरह से बुजुर्गों की संख्या साल दर साल बढ़ती चली जा रही है। उसको देखते हुए, केंद्र सरकार द्वारा जो नई योजना बनाई गई है। उसकी प्रशंसा करनी ही होगी। समय रहते सरकार ने बुजुर्गों के ऊपर ध्यान दिया है। इस सुविधा से उनका जीवन पहले की तुलना में बेहतर होगा। बुजुर्गों की एक सबसे बड़ी मांग यह भी है। रेल एवं बस यात्रा में जो रियायत पहले मिलती थी। उसको पुनः शुरू किया जाए। इलाज, सामाजिक एवं पारिवारिक कार्यों के लिए जब बुजुर्ग यहां से वहां जाते हैं। उस समय उनका बहुत सारा पैसा यात्रा की टिकट के रूप में चला जाता है। केंद्र सरकार को बुजुर्गों के लिए रियायती दर पर रेल और बस की सुविधा जल्द शुरू करने की जरूरत है।

सुषमा शर्मा

राहुल से नफ़रत की पराकाष्ठा?

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था रखने वाले किसी भी देश में सत्ता और विपक्ष दोनों ही एक गाड़ी के दो पहियों के समान माने जाते हैं। सत्ता का काम जहां देश के लिये नीतियां व योजनाएं बनाना होता है वहीँ विपक्ष का काम सत्ता की कारगुज़ारियों पर निगरानी रखना होता है। विपक्ष ज़रूरत पड़ने पर समय समय पर सत्ता की आलोचना भी करता रहता है। और सत्ता उन स्वस्थ आलोचनाओं का स्वागत करते हुये विपक्ष की आलोचना के अनुरूप अपनी नीतियों, व योजनाओं में परिवर्तन व संशोधन करने का भी प्रयास करती है। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक देश में सत्ता और विपक्ष के रिश्ते प्रायः मधुर व सौहार्दपूर्ण ही रहते हैं। हमारे देश में भी पंडित जवाहर लाल नेहरू व डॉ राम मनोहर लोहिया तथा राजीव गाँधी, सोनिया गांधी व अटल बिहारी वाजपेई जैसे अनेक शीर्ष नेताओं के ऐसे कई क़िस्से बड़े मशहूर हैं जो पक्ष विपक्ष के सौहार्द्रपूर्ण रिश्तों की गवाही देते हैं।

परन्तु वर्तमान दौर की राजनीति में तो गोया सत्ता द्वारा विपक्ष से दुश्मन की तरह व्यवहार किया जाने लगा है। साम दाम दंड भेद, छल कपट, झूठ, मक्कारी, सत्ता बल धनबल, बाहुबल, सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर, विधायकों की ख़रीद फ़रोख़्त कर निर्वाचित सरकार गिराकर, मीडिया को ग़ुलाम बनाकर गोया किसी भी तरह से यह कोशिश की जाने लगी है कि विपक्ष का नाम ओ निशान ख़त्म कर दिया जाये और सत्ता पर हमेशा के लिये क़ब्ज़ा जमाये रखा जाये। सत्ता के इस 'लोकतंत्र विरोधी' कहे जाने वाले दुष्प्रयास का सबसे बड़ा निशाना लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गाँधी हैं। पिछली लोकसभा में यह देखा गया कि किस तरह एक अदालती फ़ैसले की आड़ लेकर आनन फ़ानन में उनकी लोकसभा सदस्यता समाप्त कर दी गयी और सदस्यता समाप्त करने के साथ ही सांसद के रूप में आवंटित किया गया उनका बंगला भी ख़ाली करवा लिया गया। देश ने यह भी देखा कि किस तरह राहुल गांधी व उनकी मां सोनिया गाँधी को कई दिनों तक बार बार प्रवर्तन निदेशालय (ई डी) द्वारा अपने कार्यालय में बुलाकर उनका मनोबल गिराने की कोशिश की गयी। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस का बैंक खाता फ़्रीज़ कर दिया। गया। पिछले दस वर्षों से राहुल गाँधी को 'पप्पू' साबित करने के लिये करोड़ों रूपये पानी की तरह बहाये गये। मीडिया का सहारा लेकर राहुल को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशें की गयीं। हद तो यह है कि संसद में स्वयं प्रधानमंत्री द्वारा राहुल गांधी को 'बाल बुद्धि' वाला कहकर सम्बोधित किया गया? समुदाय विशेष को 'जूते मारो सालों को' जैसा उत्तेजनात्मक नारा देना वाला एक परिवारवादी राजनीति का प्रतीक भाजपा नेता संसद में राहुल की जाति पर सवाल खड़ा करते दिखाई दिया।

और अब एक बार फिर राहुल की अमेरिका यात्रा में दिए गये उनके कुछ बयानों को लेकर उनको 'देशद्रोही' तक साबित करने की कोशिश की जा रही है। एक ऐसा केंद्रीय मंत्री जिसे जनता स्वयं एक 'मसख़रे' के रूप में जानती है वह पूरे देश में राहुल गाँधी के विरुद्ध 'जूते मारो अभियान' शुरू करने की बात कह रहा है। भाजपा के कई शीर्ष नेता न केवल राहुल गांधी को देशद्रोही बताने में लग गए हैं बल्कि दिल्ली के एक बीजेपी नेता व पूर्व विधायक ने तो सार्वजनिक रूप से यह तक कह दिया है कि "राहुल गांधी बाज़ आ जा, नहीं तो आने वाले टाइम में तेरा भी वही हाल होगा जो तेरी दादी का हुआ !" यानी सरे आम राहुल को हत्या की धमकी दी जाने लगी है। लगता है कि भाजपा द्वारा राहुल के विरुद्ध तमाम हथकंडे अपनाने के बावजूद उनकी बढ़ती लोकप्रियता और एक साथ दो दो जगहों से लोकसभा में भारी मतों से उनके निर्वाचन के बाद अब उन्हें हिंसा व हत्या के लिये डराना धमकाना ही आख़रिरी हथियार रह गया है।

परन्तु इस बहस में कुछ बातें तो निरर्थक हैं। जैसे कि राहुल ने अमेरिका में क्या कहा या विदेशों में वे क्या कहते हैं। इंटरनेट व आधुनिक संचार प्रणाली के इस दौर में आज इस बात के तो कोई मायने ही नहीं रह गये कि आप कौन सी बात कहाँ बोलते हैं। दुनिया के किसी भी कोने में बोली गयी कोई भी बात पलक झपकते ही पूरे विश्व में एक साथ प्रसारित हो जाती है। फिर क्या अमेरिका तो क्या भारत। दूसरी बात यह कि राहुल ने अमेरिका में ऐसा क्या नया कहा जो वे यहाँ नहीं कहते? भारतीय लोकतंत्र पर मंडराते ख़तरों पर अकेले राहुल ही चिंता व्यक्त नहीं करते।

विपक्ष के और भी तमाम नेता, बुद्धिजीवी, नोबेल पुरस्कार विजेता, शिक्षाविद, लेखक व पत्रकार भारतीय लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति व लोकतंत्र पर मंडराते ख़तरों पर चिंता व्यक्त करते ही रहते हैं। और इन सबसे बड़ी बात यह कि जो लोग सत्ता के इशारे पर या 'किसी को ' ख़ुश करने के लिये राहुल गांधी को देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं उन्हें राहुल गाँधी की वह पारिवारिक पृष्ठभूमि भी देख लेनी चाहिए जिसमें राहुल के पिता राजीव गांधी व दादी इंदिरागांधी को देश की एकता व अखंडता को बचाये रखने के लिये अपनी जानों की क़ुर्बानी देनी पड़ी थी।

मोतीलाल नेहरू से लेकर जवाहर लाल नेहरू, कमला नेहरू आदि सभी स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाले इसी एक परिवार के सदस्य थे। ऐसे घराने से सम्बन्ध रखने वाले राहुल गांधी को वे लोग देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं जिनके अपने दल में महात्मा गांधी, भारतीय संविधान और तिरंगे का अपमान करने वालों की कमी नहीं? ऐसे लोग राहुल को देशद्रोही साबित करना चाह रहे हैं जिनके पूर्वजों का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान तो दूर उनके आसपास के लोग भी उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि से वाक़फ़ि नहीं?

यह अगर ख़ुद कश्मीर में महबूबा मुफ़्ती की पीडीपी से मिलकर सरकार बनायें तो वह राष्ट्रवाद परन्तु यदि राहुल या कांग्रेस इनके साथ समझौता करें तो उन पर संदेह और तरह तरह के सवाल? ख़ुद अगर प्रधानमंत्री मोदी एस पी जी के मना करने के बावजूद नवाज़ शरीफ़ की नातिन मेहरुन्निसा की शादी व नवाज़ शरीफ़ का जन्म दिन मनाने अचानक पाकिस्तान पहुँच जायें या उनसे पगड़ी, साड़ी व शॉल के तोहफ़ों का आदान प्रदान करें तो यह उनका 'सद्भावना' भरा क़दम परन्तु यदि यही काम कोई विपक्षी नेता करे तो वह देशविरोधी या पाकिस्तान परस्त?

दरअसल राहुल के विरोध का कारण यह सब नहीं जो बताया या प्रचारित किया जा रहा है। बल्कि राहुल के विरोध का कारण भारत सहित पूरे विश्व में उनकी बढ़ती स्वीकार्यता है। साथ ही राहुल भारतीय विपक्ष के अकेले ऐसे नेता हैं जो भाजपा व सत्ता पर ऐसी चोट करते हैं जिससे इनके नेता तिलमिला जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अडानी व मोदी के रिश्ते पर उनके सवालों से भाजपा हमेशा असहज रहती है। रोज़गार व मंहगाई पर राहुल के सवालों का इनके पास कोई जवाब नहीं। इसके अलावा राहुल ने अपनी राष्ट्रव्यापी भारत जोड़ो पद यात्रा में भी सत्ता के मंसूबों की पोल खोल कर रख दी थी। इसी यात्रा के बाद कांग्रेस का ग्राफ़ चढ़ना व भाजपा का ग्राफ़ नीचे जाना शुरू हो गया था। इसलिये राहुल पर देशद्रोह के इल्ज़ाम लगाना तो मात्र एक बहाना है हक़ीक़त में यह सत्ता की राहुल से नफ़रत की पराकाष्ठा के सिवा और कुछ नहीं। सही मायने में तो सत्ता का यह दुष्प्रयास भी लोकतंत्र विरोधी ही है।

Invitin.g Shopperr's

Design Your Dream Attire

- Couture, Clothing & Designer Fabrics
- Rental Wedding, Lehengas, & Gowns
- Exclusive Nail Art
- Designer Mehandi
- Cosmetics

B-20/11, Double Storey, Ramesh Nagar, Delhi | Mob.: 9911294429, 011-45294429

SINCE 1975
KARAN'S
VAISHNO DHABA
MOUTH WATERING CUISINES
Lunch: 11:30am to 4.00pm * Dinner: 7.00pm to 11.00 pm
Food Without Onion & Garlics On Every Navratra
Note:
Please allow extra time for delivery on Suturday, Sunday and Holiday
Rates are subject to change without prior notice
Minimum delivery time 30 min. to 45min
All the items may not be available at all the time
Home delevery charged rs. 20. - within 1km
Home Delevery
8700965740,
9871558873,
9212598873
Spl. In Outdoor Catering

S.B. Malik (Jaggu Ji)
9311906362
011-41421363
Prince Realtech & Developers
SALE
PURCHASE
RENTING
COLLABORATION
AGRICULTURE LAND
FARM LAND
RESIDENTIAL
COMMERCIAL
INDUSTRIAL
B-121AC, Mansarover Garden,
New Delhi-110015

We Positive Care
We Positive Care
Chitragupt Foundation
C186 A , 4th floor hari nagar
clock tower, Pincode 110064

Punnu Biriyani
M:- 093134 07108
punnubiriyani.com
Free Home Delivery
011-25119013,
41447298,
25446671
(Jhatka Used Here)
Note- For Franchise Inquiry, call- 9313407108
DDA LIG Market, Near Cambridge Foundation School,
Rajouri Garden, New Delhi, Delhi 110027
Takeout / Delivery Open Closes 23:30

श्री राधे
श्री गणेशाय: नम:
श्री राधिका ज्योतिष शोध संस्थान
ज्योतिष, वास्तु अंक विद्या, हस्त रेखा व लाल किताब,
पीली किताब द्वारा सभी समस्याओं का समाधान
शादी या सन्तान नही होना, नौकरी नही लगना, व्यापार नही चलना
शारीरिक परेशानी या गृह कलेश रहना व अजीब घटनाओं का घटना
आपकी कुण्डली में घटित मांगलिक दोष,
ग्रहण दोष व काल सर्प दोष व अन्य सभी
दोषों के समाधान के लिए सम्पर्क करें।
सभी प्रकार के वैदिक अनुष्ठानों के लिए सम्पर्क करें।
Pt. S.K. Sharma, Vedic Astrolger n Healer!

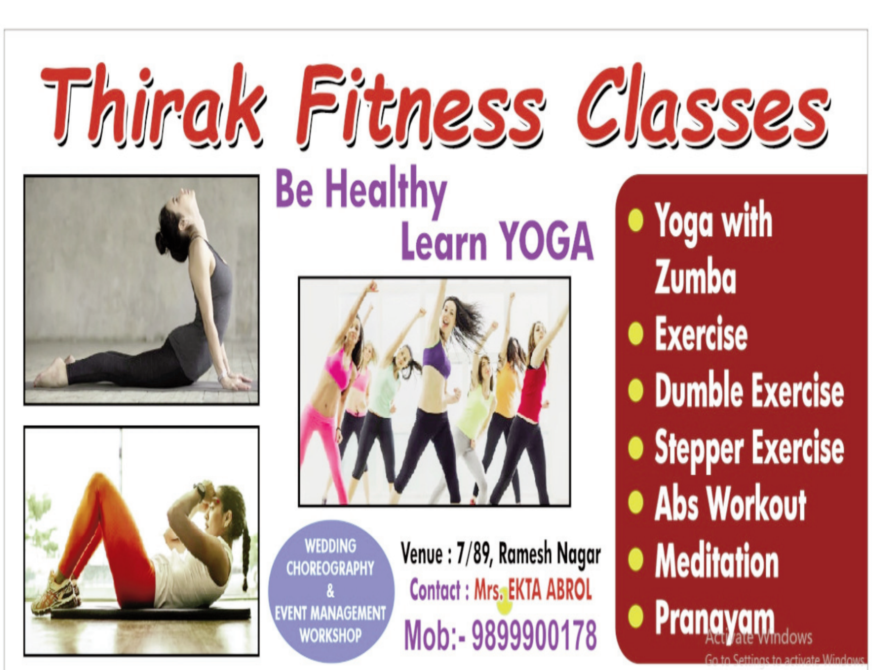
Thirak Fitness Classes
Be Healthy
Learn YOGA
Yoga with Zumba
Exercise
Dumble Exercise
Stepper Exercise
Abs Workout
Meditation
Pranayam
WEDDING CHOREOGRAPHY & EVENT MANAGEMENT WORKSHOP
Venue : 7/89, Ramesh Nagar
Contact : Mrs. EKTA ABROL
Mob:- 9899900178

फीजियोथिरेपी सेन्टर
आधुनिक मशीनों से युक्त व कुशल
डॉक्टर की देख रेख में चल रहा है।
समय: प्रात 9 बजे से 12 बजे तक एवं
सायं 5 बजे से 7 बजे तक
रविवार अवकाश
कीर्ति नगर श्री सनातन धर्म सभा (पंजी.)
गीता भवन, कीर्ति नगर, नई दिल्ली- 110015

मनीष सिसोदिया नहीं बनेंगे मुख्यमंत्री, मंच से केजरीवाल ने किया ऐलान

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल से जमानत पर बाहर आने के दो दिन बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा ऐलान कर दिया। अरविंद केजरीवाल ने ना सिर्फ मुख्यमंत्री पद छोड़ने की बात कह डाली, इसके साथ ही दिल्ली के अगले मुख्यमंत्री के नाम को लेकर भी इशारा किया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पार्टी मुख्यालय में आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। इस दौरान केजरीवाल ने सीएम पद से इस्तीफा देने की घोषणा की। उन्होंने मंच से साफ कर दिया कि मनीष सिसोदिया दिल्ली के मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे।

केजरीवाल ने कहा कि मेरे इस्तीफा देने के बाद आम आदमी पार्टी का कोई नेता सीएम बनेगा। अगले दो-तीन दिन के अंदर विधायक दल की बैठक होगी। उसमें सीएम के नाम का ऐलान किया जाएगा। मनीष सिसोदिया का भी कहना है वो दिल्ली के डिप्टी सीएम और शिक्षा मंत्री का पद तभी संभालेंगे, जब दिल्ली की जनता कहेगी, सिसोदिया ईमानदार हैं। मेरा और मनीष सिसोदिया का फैसला आपके हाथ में है। हम जनता की अदालत में जा रहे हैं।

केजरीवाल ने कहा कि मुझ पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए गए हैं और मैं अग्नि परीक्षा देने को तैयार हूं। अगले दो दिन बाद पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। मैं तब तक सीएम की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा, जब तक जनता अपना फैसला नहीं सुना दे। मैं गली-गली, घर-घर जाऊंगा। कुछ महीने बाद दिल्ली विधानसभा के चुनाव है। आपको लगता है कि केजरीवाल ईमानदार है तो मेरे पक्ष में वोट दें, अगर लगता है कि केजरीवाल गुनाहगार है तो मुझे वोट मत दें। अगर आप मुझे वोट देकर जिताएंगे और कहेंगे कि केजरीवाल ईमानदार है, तो चुनाव के बाद मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। उससे पहले मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा।

केजरीवाल ने कहा कि इनका फॉर्मूला है कि जहां-जहां चुनाव हारे, वहां-वहां के मुख्यमंत्रियों पर फर्जी केस दर्ज करके गिरफ्तार कर लो और सरकार गिरा दो। इन्होंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री, केरल के मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर भी केस कर रखे हैं। अगर मैं इस्तीफा दे देता, ये विपक्ष के एक भी मुख्यमंत्री को नहीं छोड़ते, फर्जी केस बनाकर जेल में डाल देते। सबकी सरकार गिरा देते।

केजरीवाल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने सरकार से पूछा है कि जेल के अंदर से सरकार क्यों नहीं चलती सकती? उन्होंने कहा कि जेल के अंदर से सरकार चल सकती है। मैं देश के सभी गैर भाजपाई मुख्यमंत्री से हाथ जोड़कर विनती करना चाहता हूं कि अगर आपको केंद्र सरकार फर्जी केस करके जेल में डाले तो किसी हालत में इस्तीफा मत देना, जेल से सरकार चलाना। हमारे लिए पद जरूरी नहीं है, हमारे लिए संविधान और लोकतंत्र जरूरी है।

उन्होंने जिक्र किया कि भारी बहुमत से जीती सरकार, एक बार 70 में से 67 सीट आई और फिर 70 में से 62 सीटें आई। आप उठाकर जेल में बंद कर दोगे और कहोगे कि इस्तीफा दो। मैं सारे मुख्यमंत्रियों से आज हाथ जोड़कर विनती करना चाहता हूं कि इनका यह नया फॉर्मूला भी आम आदमी पार्टी ने फेल कर दिया।

केजरीवाल ने दिल्ली के स्कूलों का जिक्र करते हुए कहा कि 16 लाख बच्चे दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पढ़ते थे। सरकारी स्कूलों की हालत बहुत खराब थी। टूटे-फूटे स्कूल थे, कोई पढ़ाई नहीं होती थी। हमने 18 लाख बच्चों के लिए बीते 10 सालों में अच्छे स्कूल बना कर दिए हैं और हम ऐसा इसलिए कर पाए क्योंकि हम ईमानदार हैं। आज अगर किसी के घर में कोई बीमार हो जाए और प्राइवेट अस्पताल में ले जाएं तो लाखों रुपए का बिल आता है। हमने दिल्ली के अंदर हर सरकारी अस्पताल को शानदार बनाया। नए अस्पताल खोले, गली-गली मोहल्ला क्लीनिक खोलकर सबका इलाज, सबकी दवाई मुफ्त कर दी। आज जब दिल्ली की महिलाएं बस में सफर करती हैं तो उनकी टिकट नहीं लगती। दिल्ली में फ्री बिजली मिल रही है। देश में कई सरकारें घाटे में चल रही है, लेकिन दिल्ली की सरकार यह सब सुविधा देने के बावजूद फायदे में है।

30 करोड़ की ड्रग्स के साथ तीन विदेशी तस्कर गिरफ्तार

नईदिल्ली। स्पेशल सेल ने ड्रग्स तस्करी के आरोप में दो महिला समेत तीन विदेशी नागरिक को गिरफ्तार कर एक अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। गिरफ्तार तीनों तस्कर अफ्रीकी मूल के हैं इनमें दो नाइजीरिया और एक घाना की रहने वाली है। इनके कब्जे से 30 करोड़ रुपये मूल्य की 8.04 किलो मेथमफेटामाइन बरामद किया गया है। कार्टेल के सदस्य तुगलकाबाद एक्सटेंशन स्थित एक घर में ड्रग्स का भंडारण करते थे। मेथमफेटामाइन एक शक्तिशाली व अत्यधिक नशे वाली ड्रग्स है जो केंद्रीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। यह सफेद, गंधहीन, कड़वा स्वाद वाला क्रिस्टलीय पाउडर के फार्म में होता है जो पानी या शराब में आसानी से घुल जाता है।

डीसीपी अमित कौशिक के मुताबिक गिरफ्तार किए गए तस्करों के नाम अबीसोला डेबोरा अकिंवुमी, सैमुअल डिक्सन एडिओह व हेनशा विक्टोरिया है। इनमें हेनशा विक्टोरिया, घाना व बाकी दोनों नाइजीरिया के रहने वाले हैं। दिल्ली स्थित कुछ अफ्रीकी लोगों के बारे में सेल को खास जानकारी थी कि वे दिल्ली-एनसीआर से देश के विभिन्न हिस्सों में मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हैं। जांच पड़ताल के बाद सेल की टीम ने धौला कुआं के एक बस स्टैंड के पास मेथमफेटामाइन की खेप के साथ महिला तस्कर अबिसोला डेबोरा अकिंवुमी को दबोच लिया। वह ट्राली बैग और हैंड बैग के साथ आउटर रिंग से पैदल आते हुए धौला कुआं बस स्टैंड पर रुका था। तलाशी लेने पर बासमती चावल के प्लास्टिक बैग से 4.02 किलो मेथमफेटामाइन बरामद किया गया। जांच पड़ताल के बाद सेल की टीम ने धौला कुआं के एक बस स्टैंड के पास मेथमफेटामाइन की खेप के साथ महिला तस्कर अबिसोला डेबोरा अकिंवुमी को दबोच लिया। वह ट्राली बैग और हैंड बैग के साथ आउटर रिंग से पैदल आते हुए धौला कुआं बस स्टैंड पर रुका था। तलाशी लेने पर बासमती चावल के प्लास्टिक बैग से 4.02 किलो मेथमफेटामाइन बरामद किया गया।

दो दिन बाद दूंगा इस्तीफे की घोषणा के बाद, सोशल मीडिया पर अरविंद केजरीवाल की हो रही आलोचना

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को अपने पद से दो दिन के भीतर इस्तीफा देने की घोषणा की। सीएम केजरीवाल की इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और फेसबुक पर कई फॉलोअर्स ने अरविंद केजरीवाल के संबोधन को शेयर किया। जिसमें मुख्यमंत्री कह रहे हैं, "उनकी साजिशें हमारे चट्टान जैसे हौसले को तोड़ नहीं पाईं, हम फिर से आपके बीच हैं। हम देश के लिए ऐसे ही लड़ते रहेंगे, बस हमें आप सभी का साथ चाहिए।"

एक यूजर ने लिखा, "भ्रष्टाचार का राजा अब लोगों को भ्रष्टाचार कैसे करना है सिखाएगा, वाह।"

एक अन्य यूजर ने लिखा, "दिल्ली को बर्बाद कर दिया।"

एक सोशल मीडिया यूजर ने कहा, "दिल्ली के लोग इसी दिन का इंतजार कर रहे थे, जब उन्हें केजरीवाल के कुशासन से राहत मिलेगी। केजरीवाल को उसी दिन इस्तीफा दे देना चाहिए था जिस दिन उन्हें जेल जाना पड़ा था। अब भी वे दो दिन और मांगकर दिल्ली के लोगों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।"

यूजर ने कहा, "जिस तरह आम आदमी पार्टी का अभियान 'जेल का जवाब वोट से' विफल रहा, उसी तरह केजरीवाल का यह कदम भी विफल होगा।"

हालांकि, कुछ यूजर तीखी प्रतिक्रिया से बचे नजर आए। एक यूजर ने कहा, "केजरीवाल 3.0 भावी पीएम की शुरुआत है।" वहीं भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने इस मामले पर अपने विचार पत्रकारों से साझा किए। उन्होंने कहा, "यह अरविंद केजरीवाल का पीआर स्टंट है। उन्हें समझ आ गया है कि दिल्ली की जनता के बीच उनकी छवि एक ईमानदार नेता की नहीं बल्कि एक भ्रष्ट नेता की है। आज आम आदमी पार्टी पूरे देश में एक भ्रष्ट पार्टी के रूप में जानी जाती है।"

इन कोर्स को करने के बाद आप हो सकते है मालामाल!

ज्यादातर ये देखा जाता है कि 12वीं करने के बाद छात्रों को अपने लिए एक अच्छे करियर का चुनाव करने में थोड़ी परेशानी होती है। उनके लिए कौन सा फील्ड या कोर्स अच्छा रहेगा वे ये समझ नहीं पाते है। यहाँ हम बात करेंगे कौन से कोर्स आपको न सिर्फ करियर के बेहतरीन अवसर देते हैं, बल्कि ज्यादा से ज्यादा कमाई करने लायक भी बनाते हैं। ये हैं क्लास 12 के बाद के हाई पेइंग कोर्सेस।

अच्छी सैलरी की बात हो और इंजीनियरिंग कैसे पीछे रह सकता है। 12वीं के बाद 4 साल का बी.टेक करके आप अपने लिए सुनहरे भविष्य का दरवाजा खोल सकते हैं। सामान्य कॉलेज से इंजीनियरिंग करके भी आप करियर की ऊंचाइयां छू सकते हैं। मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, एयरोनॉटिकल या कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग करके आप मल्टी नेशनल कंपनी में जॉब से लेकर आप अपना भी स्टार्टअप कर सकते हैं। एक्सपीरियंस के बाद विदेश भी जा सकते हैं। जहां आपको हर महीने लाखों का सैलरी पैकेज मिल जायेगा।

मेडिकल कोर्सेज हों या कोई और हेल्थ केयर कोर्स, ये, सम्भावनाओ के द्वार खोल देता है। एमबीबीएस ही एकमात्र विकल्प नहीं है। फार्मासिस्ट से लेकर रिसर्चर तक, अस्पताल से लेकर दवा कंपनियों तक..

एम्स समेत कुछ बेहतरीन संस्थान है जो आपकी इस यात्रा में सहायता करेंगे अपनी एबिलिटी के अनुसार टॉप मेडिकल कोर्स के ऑप्शन चुन सकते हैं। सरकारी हो या प्राइवेट, हेल्थ सेक्टर आपको मालामाल करने की क्षमता रखता है। समय के साथ इसकी डिमांड बढ़ती ही रहेगी।

डेटा साइंस में कुशल पेशेवरों की मांग में वृद्धि होने के साथ, इन क्षेत्रों में बी.एससी. की योग्यता लाभदायक करियर अवसर प्रदान कर सकती है। इन पाठ्यक्रमों में मशीन लर्निंग, डेटा विश्लेषण, सांख्यिकी, और पायथन जैसी प्रोग्रामिंग भाषाएं शामिल होती हैं। स्नातकों को आईटी, वित्त, स्वास्थ्य देखभाल, और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, क्रिएटिविटी में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए, डिजाइन या फाइन आर्ट्स में डिग्री प्राप्त करना एक बढ़िया विकल्प हो सकता है। बी.डिज़ाइन कोर्स, फैशन डिजाइन, ग्राफिक डिजाइन, इंटीरियर डिजाइन, प्रोडक्ट डिजाइन, और एनिमेशन जैसे क्षेत्रों में अनेक कोर्सेज मौजूद है दूसरी ओर, बीएफए पाठ्यक्रम पेंटिंग, स्कल्प्चर, फोटोग्राफी, और मल्टीमीडिया आर्ट्स जैसे फाइन आर्ट्स विषयों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। स्नातकों को विज्ञापन एजेंसियों, डिजाइन स्टूडियोज़, फैशन हाउसेज, और मीडिया संगठनों में नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। इसके अलावा भी आप अपनी रूचि के मुताबिक कोर्सेज का चयन कर सकते है।

वेट लॉस ही नहीं इन कारणों से भी लें सुबह खाली पेट घी

घी एक इम्यूनिटी बूस्टर फूड है। ये ओमेगा-3 से भरपूर होता है और ब्रेन ही नहीं शरीर के तमाम अंगों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। रोजाना दाल या चावल के साथ 1 चम्मच घी खाना शरीर की ताकत बढ़ाता है और बीमारियों से बचाता है।

इसके अलावा घी के सेवन से दिमाग तेज होता है और कई बार गाय का घी तो कंजेशन कम करने में भी मददगार है। लेकिन, सुबह खाली पेट घी खाने से क्या होता है और इसका सेवन कैसे करें। जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

डाइजेशन तेज करता है

खाली पेट घी खाने से आपके पेट का अग्नि तत्व बढ़ता है और ये डाइजेशन को तेज करता है। ये मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है और फिर आपको कई बीमारियों से बचाता है। जैसे मोटापा, कब्ज और आंत से जुड़ी परेशानियां। इसके अलावा ये पेट की लेयरिंग को भी हेल्दी रखता है और अल्सर जैसे रोगों से भी बचाता है। इनके तमाम गुण वेट लॉस में भी मददगार हैं।

स्किन को हाइड्रेट करता है

अगर आप एक ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं तो खाली पेट घी का सेवन फायदेमंद हो सकता है। ये आपकी स्किन में हेल्दी फैट को जोड़कर ड्राई स्किन, झुर्रियों और फाइन लाइन्स से बचाव में मददगार है। इससे स्किन अंदर से चमकती है और हेल्दी रहती है।

खाली पेट घी खाना जोड़ों के दर्द को कम करने में मददगार है। ये जोड़ों के बीच नमी को बहाल करता है और फिर जोड़ों की गति को बेहतर बनाता है। इसके अलावा ये जोड़ों के बीच खिंचाव को कम करता है, जिससे हड्डियों के बीच घर्षण नहीं होती। इस प्रकार से ये जोड़ो में सूजन, दर्द और कट-कट की आवाज जैसी दिक्कतों को भी रोकने में मदद करता है।

खाली पेट घी कैसे लें

खाली पेट घी खाने का सबसे सही तरीका ये है कि आप घी को पिघलाकर एक चम्मच खाकर पानी पी लें। आप गुनगुना पानी में घी मिलाकर भी ले सकते हैं जो कि सबसे कारगर तरीका है।

दिल्ली में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक है जगह

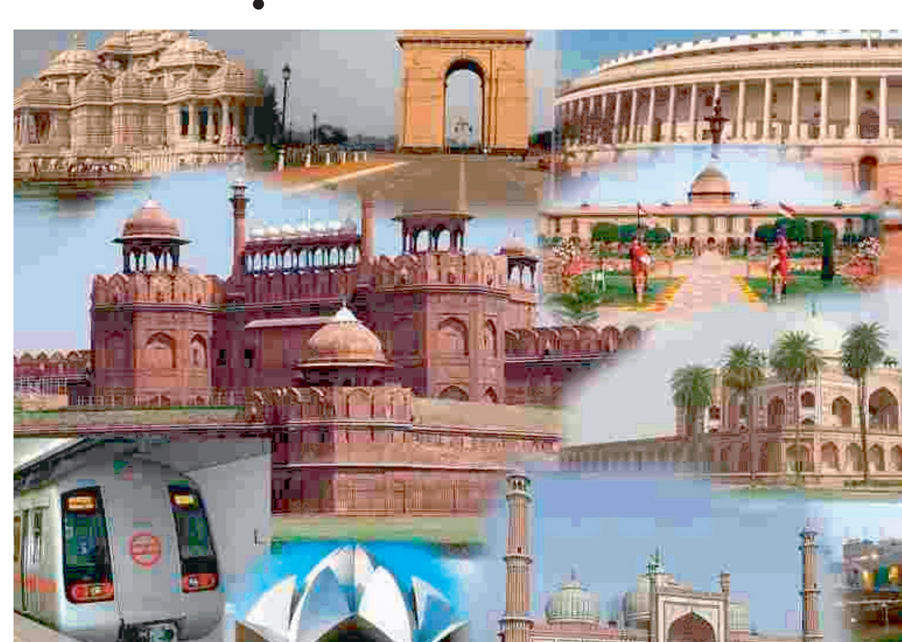

त्योहारों का मौसम दस्तक दे चुका है, और हर ओर उत्साह की लहर दौड़ रही है। हमारे घरों में मेहमानों का आना-जाना जारी रहता है और लजीज व्यंजन तैयार होते हैं। लोग फेस्टिव सीजन का पूरा आनंद लेते हैं और नए-नए फूड्स का मजा लेते हैं। लेकिन इस आनंद के साथ अपनी सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है।

शाहदराः अगर आप दिल्ली-एनसीआर में हैं, तो गणेशोत्सव के दौरान दिल्ली के शाहदरा जरूर जाएं। यहां भगवान गणेश के भव्य पंडाल देखने को मिलते हैं। इस दौरान यहां कई फूड स्टॉल भी लगते हैं, जहां आप विभिन्न तरह के खाने का लुत्फ उठा सकते हैं।

चितरंजन पार्कः गणेश विसर्जन के कुछ दिन बाद नवरात्रि का त्योहार शुरू होगा, जिसमें दुर्गा पूजा का आयोजन भी होगा। इस अवसर पर आप दिल्ली के चितरंजन पार्क, जिसे मिनी कोलकाता भी कहते हैं, घूम सकते हैं। यहां बड़ी संख्या में लोग आते हैं और बंगाली मार्केट की भी सैर कर सकते हैं।

छतरपुर और झंडेवालान मंदिरः नवरात्रि के दौरान आप दिल्ली के प्रसिद्ध झंडेवालान और छतरपुर मंदिर भी जा सकते हैं। इन मंदिरों में दर्शनों के लिए बड़ी भीड़ होती है और यहां का माहौल भी बहुत खास होता है।

सेहत का ध्यान रखेंः फूड क्रिटिक निकिता चावला का कहना है कि दिल्ली-एनसीआर में अभी भी बारिश का मौसम है। ऐसे में बाहर घूमते समय स्टॉल से खाकर सेहत को नुकसान पहुंच सकता है।

इसलिए, खाने-पीने के लिए उन जगहों का चयन करें जहां हाइजीन का ध्यान रखा गया हो। मोमोज, नूडल्स, गोलगप्पे और आलू की टिक्की जैसी चीजें स्टॉल से खाने से बचें क्योंकि इससे आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने प्रतियोगी त्रिशूल को सशक्त करने के लिए कौन बनेगा करोड़पति के नियमों में बदलाव किया!

16 सितंबर को, कौन बनेगा करोड़पति के इतिहास में पहली बार, महानायक अमिताभ बच्चन 30 वर्षीय त्रिशूल सिंह चौधरी के लिए खेल के नियमों में बदलाव करेंगे। बोकारो, झारखंड निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर, त्रिशूल का सफर दृढ़ता और पक्के इरादों का प्रमाण है, जिन्होंने अपने परिवार के मजबूत समर्थन के साथ, आजीवन चुनौती का सामना किया है। हॉट सीट पर बैठने के बाद, त्रिशूल ने स्वीकार किया कि भले ही वह बहुत आत्मविश्वास के साथ आए थे, लेकिन अपनी स्थिति के कारण वह अनिश्चित हैं कि गेम शो में कुछ सेगमेंट्स को कैसे पार किया जाए; यह सुनकर हमारे उदार मेज़बान ने त्रिशूल को गले लगाया, और गेमप्ले में कुछ नियमों को बदलने का निर्णय लिया।

एबी के साथ एक स्पष्ट बातचीत के दौरान, त्रिशूल यह भी पूछेंगे कि क्या बिग बी कभी बीन बैग पर बैठे हैं। त्रिशूल को जवाब देते हुए, अमिताभ बच्चन हंसते हैं और कहते हैं, बीन बैग बड़ी उम्र के लोगों के लिए नहीं हैं, भले ही यह आरामदायक हों। त्रिशूल, एक चंचल मुस्कान के साथ, जवाब देंगे, "लेकिन आप केवल 40 या 45 साल के हैं!", जिससे एबी के चेहरे पर बड़ी मुस्कान आ जाती है। एक और खुशनुमा पल में, बिग बी अपने ग्रैंडकिड्स के साथ हाल ही में बाहर घूमने जाने की बातें साझा करेंगे। वह बताएंगे कि कैसे वे उन्हें एक हॉलिवुड साई-फाई मूवी देखने के लिए ले गए, और उन्हें इस स्टाइल की फिल्मों को अच्छी तरह से समझने में दिक्कत होती है। हालांकि, उनके ग्रैंडकिड्स ने फिल्म का आनंद लिया, लेकिन एबी मानते हैं कि उन्हें यह ठीक से समझ नहीं आई, और उनके ग्रैंडकिड्स ने मज़ाकिया अंदाज़ में कहा: "यहां तक कि हम कल्कि को भी नहीं समझ पाए।" इसके बाद त्रिशूल ने फिल्म कल्कि 2898 एडी और अमिताभ बच्चन की अश्वत्थामा की भूमिका की सराहना की।

फ्लाइट हुई देरी तो तमन्ना ने खोज निकाला '1989 वाला मूड'

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने बचपन की कई तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें 1989 की हैं, जिसमें उनका खराब मूड साफ देखा जा सकता है। उन्होंने बचपन से जुड़ी कई तस्वीरों को शेयर किया है। पहली तस्वीर में एक्ट्रेस गुस्से में दिख रही है, जबकि दूसरी कुछ तस्वीरों में वह एक बच्चे के साथ पोज देते हुए नजर आ रही हैं। मूड अनमना सा ही है।

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने फोटो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, "1989 से मेरा मूड ऐसा ही है।" अभिनेत्री ने रविवार की सुबह इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक इंटरनेशनल एयरपोर्ट की तस्वीर शेयर की। उन्होंने बताया कि उनकी फ्लाइट में देरी हो गई है। इस फोटो में एक्ट्रेस गहरे रंग की ड्रेस और सनग्लास पहने हुए दिखा रही हैं। वह कार्पेट फ्लोर पर बैठी कैमरे के सामने पोज दे रही हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, "डिले फ्लाइट = फोटोशूट।"

इस सप्ताह की शुरुआत में एक्ट्रेस तमन्ना ने गणेश उत्सव मनाने की कुछ फोटों को अपने इंस्टा अकाउंट पर शेयर किया था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, "गणपति बप्पा आगमन के लिए तैयार हैं।"

एक्ट्रेस तमन्ना की पर्सनल लाइफ की बात करें तो वह बॉलीवुड अभिनेता विजय वर्मा को डेट कर रही हैं। हाल ही रिलीज हुई हॉरर-कॉमेडी फिल्म "स्त्री 2" में एक आइटम सॉन्ग में नजर आई थीं। उन्होंने इस फिल्म में "आज की रात" गाने पर हुस्न का जलवा बिखेरा था। ये फिल्म साल 2018 में आई "स्त्री" का सीक्वल है। इसमें श्रद्धा कपूर और राजकुमार मुख्य भूमिका में हैं, जबकि पंकज त्रिपाठी, अभिषेक और अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिकाओं में नजर आए।

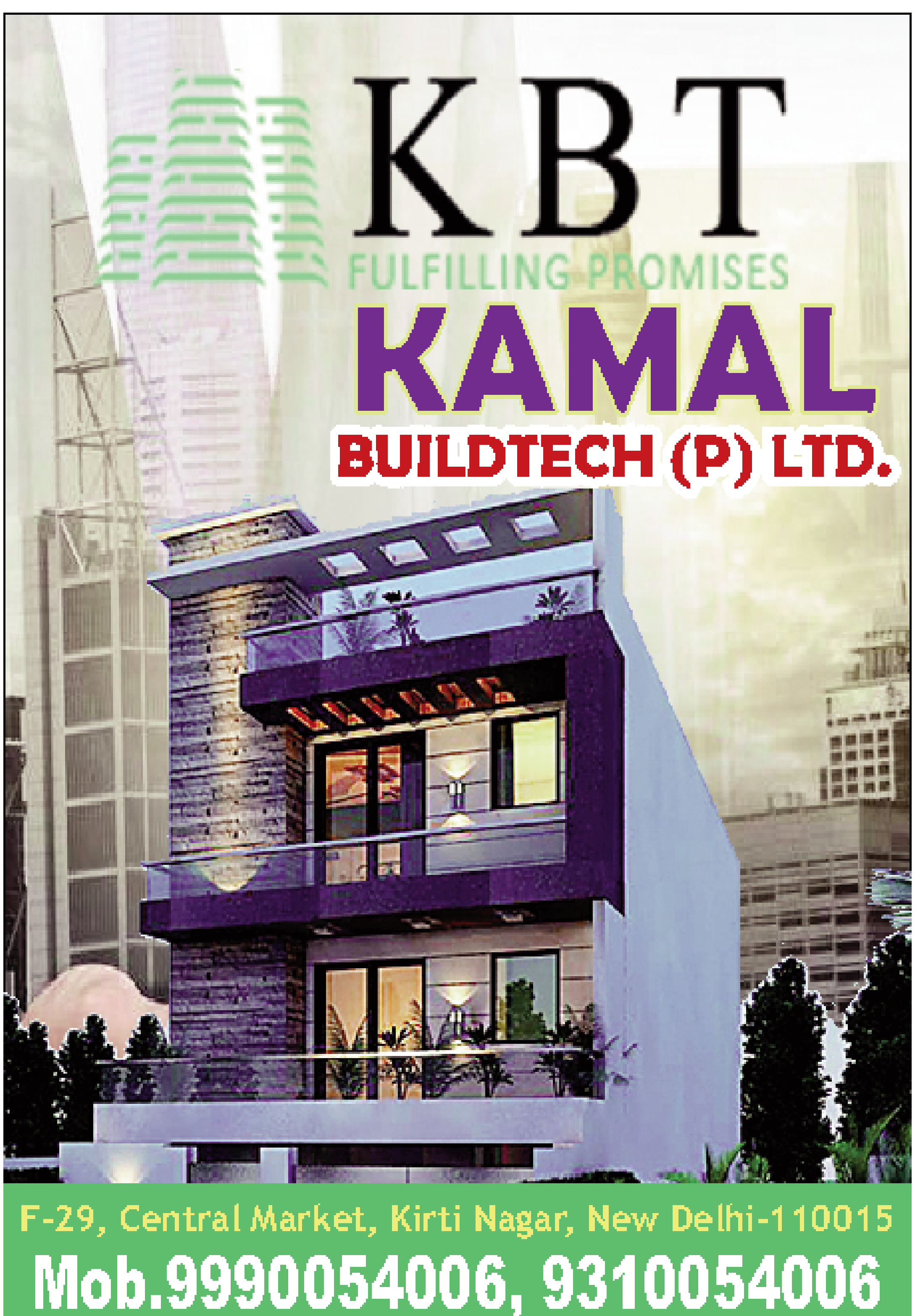

स्वामिधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सुषमा शर्मा द्वारा दिव्य ऑफसेट प्रिंटर्स, बी-1422 दुर्गा मंदिर, न्यू अशोक नगर, नई दिल्ली-110096 से मुद्रित कराकर बी-5/184, रोहिणी सेक्टर-11 नई दिल्ली से प्रकाशित।
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के उत्तरदायी। RNI No. DELHIN/2013/48040, संपर्क 8826286868